SONG :: O BHARAT KE BHAHUBAL{regd)

Jagat singh [Sartaj Singh Solanki SWA #28712]

[ALL CHORUS IS IN BLUE FONT]

ओ भारत के बाहुबल
इस धरती के आज,
इस अम्बर के कल,

ओ भारत के बाहुबल
धरती के आज,
अम्बर के कल,

तू चलता है तो देश चले
तू थम जाए तो देश हिले
तेरे तन से निकले पसीने से
तेरे अगन से जलते सीने से

तेरी अमिट थकन तेरी अडिग लगन
तेरे इस जज़्बे से जीने से

तू उद्योगों के हाथ बने
हर मेहनतकश का साथ बने
हर मंज़िल की तू राह बने
हर सपने की सौग़ात बने

तू चलता है तो *देश चले*
तू फलता है तो *देश फले*
तू बड़ता है तो *देश बड़े*
तू चडता है तो *देश चड़े*

तेरे तन से निकले पसीने से
तेरे अगन से जलते सीने से

ओ भारत के बाहुबल
इस धरती के आज,
इस अम्बर के कल

JAGAT SINGH 9833598099 jagatemail@gmail.com

SWA 28712 SARTAJ SINGH SOLANKI

इन भवनों को तूने खड़ा किया,
इन शहरों को मीलों बड़ा किया
इस विकट विपत निर्मेय पल में
यहीं वक़्त ने तुझसे दगा किया

जब और ना कोई राह बची
किसी मंज़िल की ना चाह बची
तू छोड़ के संयम चले चला
सब तोड़ के बंधन चले चला....

तपती गरमी तू **चले चला**
चलती आँधी तू **चले चला**
गिरती दीवारें **चले चला**
बड़ती तकरारें **चले चला**
ना रुके ना झुके तू चले चला
ना थके ना मिटे तू चले चला

नाप दिया भारत भू को
क़दमों ने ऐसी मिसाल रची
कहीं लहू गिरा कहीं आस मरी
कहीं उम्मीदों की लाश गिरी

"तेरी दुआ लगे तो देशफले
तेरी आह लगे तो....."

इन सहमे हुए से शहरो में
जो वीरनी सी छायी है
इन रुकी हुई मशीनो ने
आवाज़ तुझे लगायी है

आकर अपने औज़ार उठा
और कर्मभूमि का फ़र्ज़ निभा
हम नमन करें तेरी शक्ति को
तेरी हिम्मत की अभिव्यक्ति को

SARTAJ SINGH SOLANKI

JAGAT SINGH 9833598099 jagatemail@gmail.com

आ लौट के आ तू *लौट के आ*
उस घर से इस घर *लौट के आ*
आ नमक का क़र्ज़ *अदा कर आ..*
आ अपना फ़र्ज़ *अदा कर आ*
आ नमक का क़र्ज़ अदा कर आ..
आ अपना फ़र्ज़ अदा कर आ

ओ भारत के बाहुबल
इस धरती के आज,
इस अम्बर के कल...
ओ भारत के बाहुबल
इस धरती के आज,
इस अम्बर के कल...

SARTAJ SINGH SOLANKI
SWA 28712

JAGAT SINGH 9833598099 jagatemail@gmail.com